विद्या भारती प्रदीपिका

आषाढ़ से भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2079, युगाब्द 5124

जुलाई से सितम्बर 2022 वर्ष 42 अंक 4 मूल्य: ₹35/-

नेताजी सुभाषचंद्र बोस : भारतीय समुराई | श्रद्धेय कृष्णचंद्र गांधी : जीवन-यात्रा | संगठन की कार्यपद्धति | प्रेरणा

Bharatiya Constitution & Education | My Language, My Identity

Scanned with CamScanner

ISSN 2395 - 6267 कुल प्रकाशित पृष्ठ 68 RNI NO. 37111/1981

कलाम साहब लिखते हैं कि एक नए प्रकार का विमान इंजन हम लोग विकसित कर रहे थे। मैं क्या करूँ, समझ में नहीं आता था। प्रोफेसर सतीश धवन वरिष्ठ थे। मैं हिम्मत करके उनके पास चला गया। वे उन दिनों निदेशक थे। मैंने सतीश धवन से पूछा "सर, मैं एक प्रोब्लेम आपसे पूछ सकता हूँ ?, "हाँ बेटा, पूछो।" "एक इंजन हमको बनाना है। प्रोब्लेम आ रही है, समझ में नहीं आ रहा है कैसे बनेगा?" "कोई बात नहीं, तुम अगले सप्ताह आना, आज नहीं।" "तुम समय दोगे?" अब देखिए सतीश धवन ए. पी. जे. से पूछ रहे हैं, "बेटा तुम समय दोगे?", अरे नहीं, सर मैं तो पढ़ने के लिए, जानने के लिए आ रहा हूँ, मुझे समझाइए। "मैं समझाऊँगा लेकिन तुम समय दोगे?, हर सप्ताह शनिवार को 2 से 3 हम लोग एक घंटा बैठेंगे"। सप्ताह में पूरे 6 दिन स्वयं सतीश धवन पढ़ते थे। दुनिया भर का लिटरेचर पढ़ते थे, तैयारी करते थे। मैं सामान्य साइंस्टिस्ट था, नया था, वे बहुत सीनियर थे लेकिन मेरी प्राब्लेम को सॉल्व करने के लिए उन्होंने अनेक किताबें पढ़ीं। पूरे छः दिन तैयारी करके एक घंटे में आकर पढ़ाते थे। हम सफल हो गए। जब मैं सफल हुआ, सतीश धवन मौजूद थे। सतीश धवन ने मेरी पीठ ठोकी, "बेटा, अब तुम सफल हो गए। बहुत अच्छा। वेरी गुड आगे बढ़ो।" अपने विद्यार्थी की एक समस्या को सुलझाने के लिए एक अध्यापक कितनी मेहनत कर सकता है, इसकी कोई सीमा नहीं है लेकिन हमारे विद्यार्थी की समस्या हल होनी चाहिए। अगर शिक्षक चेहरा देखकर विद्यार्थी की समस्या को नहीं समझ पा रहा है, इसका मतलब एकात्मता नहीं है।

– डॉ. कृष्ण गोपाल जी

सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(सब समाज साथ ले, ध्येय शिखर पर हम चढ़ें... से)

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीराम आरावकर के द्वारा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (स्वामी) ... जेनिसिस प्रिंटर, सी 74, ओखला इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110020 (प्रेस) से मुद्रित एवं ... जी. एल. टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, नई दिल्ली–110065 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशित।
सम्पादक–डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी

Scanned with CamScanner